भजन

तर्ज–आ अब लौट चलें

पिया ना देर करों , भूल हमारी माफ करों
घर को चलो यहां जी ना लगे

1–कैद जो रूहें उनको निकालो
बस ना चले पिया यहां पे किसी का
अपनी रूहो को आप बचा लो

2–सत चित आनन्द सच्चिदानन्द हो
कहनी मे ही पिया तुम दो हो
इश्क भी तुम हो आनन्द तुमारा
ना कोई और है तुम ही तुम हो

3–तुमने जो चाहा वो ही हुआ है
होगा वही जो तुम चाहोगे
इतना तो पिया हमको यकीं है
लाये थे तुम ही तुम्ही ले चलोगे